Master of Arts

Course Outline and Marks Distribution

M.A. (Sanskrit)

Centre for Distance learning & Continuing Education

Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Chitrakoot Distt. Satna (M.P.)

Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Chitrakoot Distt. Satna (M.P.)

Syllabus for M.A. (Sanskrit) First Year

S.N.	Name of Paper	Int. Marks	Ext. Marks	Total Marks
1.	वेद	20	80	100
2.	काव्य	20	80	100
3.	भारतीय दर्शन	20	80	100
4.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	20	80	100

Assistant Registrar (Exam.)
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Chitrakoot Distt. Satna (M.P.)

Syllabus for M.A. (Sanskrit) Second Year

S.N.	Name of Paper	Int. Marks	Ext. Marks	Total Marks
1.	साहित्यशास्त्र	20	80	100
2.	नाट्यशास्त्र	20	80	100
3.	व्याकरण	20	80	100
4.	विशेष कवि कालिदास	20	80	100

Assistant Registrar (Exam)
C.D.L.C.E., M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

प्रथम प्रश्न पत्र – वेद

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को वैदिक साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 ऋग्वेद सूक्त - 1. अग्नि 1.1 ; 2. वरुण 1.25 ; 3. सूर्य 1.125 ; 4. इन्द्र 2.12 ; 5. इन्द्र 2.12 ; 6. विश्वामित्रनदी संवाद 3.33 ; 7. पर्जन्य 5.83 ; 8. अक्ष 10.34 ; 9. ज्ञान 10.71; 10 . पुरुष 10.90 ; 11 . हिरण्यगर्भ 10.121; 12 . वाक् 10.125 ; 13. नासदीय 10.129
(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4 + 4)

इकाई – 2 यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के सूक्त
1. योगक्षेम (यजु.) 22.22 ; 2. प्रजापति (यजु.) 32.1-5 ; 3. शिवसङ्कल्प (यजु.) 34.1-6 ; 4. सोम (साम.) 6.1.4 ; 5. राष्ट्राभिवर्धन (अथर्व.) 1.29 ; 6.काल (10.53) ; 7. पृथिवी (अथर्व.) 12.1
(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4 + 4)

इकाई – 3 ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद् - 1. वाङ्मनस् संवाद, शतपथ ब्राह्मण 1.4.5.89.13 ; 2. पञ्चमहायज्ञ, तैत्तिरीय आरण्यक 11.10 ; 3. ईशावास्योपनिषद्
(कोई चार प्रश्न अथवा टिप्पणियाँ पूछी जायेगीं उनमें से किन्हीं दो का उत्तर देना होगा – 4 + 4)

इकाई – 4 ऋग्वेदभाष्यभूमिका – सायणाचार्य (व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 5 वैदिक साहित्य तथा संस्कृति
संहिता साहित्य , ब्राह्मण साहित्य , आरण्यक साहित्य , उपनिषद् साहित्य , वैदिक काल निर्णय तथा वैदिक संस्कृति के विस्तृत पक्ष का अध्ययन
(दो प्रश्न पूछे जायेंगे किसी एक का उत्तर देना होगा)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ – 1. न्यू वैदिक सिलेक्शन भाग – 1 एवं 2 ब्रजबिहारी चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी

3. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. गजानन शास्त्री एवं डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

4. ऋग्वेदभाष्यभूमिका – सायणाचार्य , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

17/9/21 17/09/21

Assistant Registrar (Exam)
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लौकिक संस्कृत-साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लौकिक संस्कृत-साहित्य के काव्यगत वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी लौकिक संस्कृत -साहित्य के स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी लौकिक संस्कृत-साहित्य के काव्यगत वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **मेघदूतम् (पूर्वमेघ)**
(दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं मेघदूत पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 2 **मेघदूतम् (उत्तरमेघ)**
(दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं मेघदूत पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 3 **कुमारसम्भवम् – पञ्चम सर्ग**
(एक पद्य की विकल्प सहित व्याख्या एवं कुमारसम्भव पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 4 **नीतिशतकम् (1 - 50 पद्य पर्यन्त)**
(एक पद्य की विकल्प सहित व्याख्या एवं नीतिशतक पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 5 **नीतिशतकम् (51 - 100 पद्य पर्यन्त)**
(एक पद्य की विकल्प सहित व्याख्या एवं नीतिशतक पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ – --

1. मेघदूतम् – कालिदास
2. कुमारसम्भवम् – कालिदास
3. नीतिशतकम् – भर्तृहरि
4. महाकवि कालिदास – रमाशङ्कर तिवारी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. कालिदास : अपनी बात – डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी
7. कालिदासमीमांसा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

17/9/21 17/09/21

DISTANCE EDUCATION M.G.C.G.V. CHITRAKOOT Ref.No.
Assistant Registrar (Exam.) C.D.L.C.E., M.G.C.G.V. Chitrakoot, Satna (M.P.)

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को भारतीय दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **तर्कभाषा - आचार्य केशव मिश्र**
पदार्थ, कारण, प्रमाणलक्षण तथा प्रत्यक्ष
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **तर्कभाषा - आचार्य केशव मिश्र**
अनुमान, प्रामाण्यवाद , उपमान तथा शब्द
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **साङ्ख्यकारिका** (सम्पूर्ण) **- आचार्य ईश्वरकृष्ण**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **वेदान्तसार - आचार्य सदानन्द योगीन्द्र**
अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप, अपवाद, लिङ्गशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त, जीवन्मुक्ति
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **अर्थसङ्ग्रह - आचार्य लौगाक्षिभास्कर**
धर्मलक्षण, भावनाविचार, वेदलक्षण, विधिमीमांसा, गुणविधि, विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, अधिकारविधि, नियमविधि एवं परिसङ्ख्याविधि
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. तर्कभाषा - व्याख्याकार - आचार्य विश्वेश्वर, प्रकाशक - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

17/9/21

Ref.No.
Assistant Registrar (Exa
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

2. तर्कभाषा - व्याख्याकार - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - डॉ. विमला कर्णाटक, प्रकाशक - चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
4. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - डॉ. कृष्णमणि त्रिपाठी, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - प्रो. वन्दना त्रिपाठी, प्रकाशक – शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
6. वेदान्तसार - व्याख्याकार - श्री रामशरण शास्त्री, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. वेदान्तसार - व्याख्याकार - श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा सीरिज, वाराणसी
8. अर्थसङ्ग्रह - व्याख्याकार - डॉ. दयाशंकर शास्त्री, प्रकाशक चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. अर्थसङ्ग्रह - व्याख्याकार - डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

17/9/21 17/09/21

Ref.No.....

Assistant Registrar (Exa...
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – संस्कृत साहित्य का इतिहास

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के इतिहास से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के वर्गीकरण तथा तत्तत् प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित मुख्य विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत साहित्य के इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के वर्गीकरण तथा तत्तत् प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित मुख्य विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **रामायण एवं महाभारत**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **महाकाव्य**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **गद्यकाव्य**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **चम्पूकाव्य**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **नाटक**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - डॉ. वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक - चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
2. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. संस्कृत नाट्यमीमांसा खण्ड I + II - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, प्रकाशक - परिमल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
5. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक ऐतिहासिक अध्ययन - डॉ. छविनाथ त्रिपाठी, प्रकाशक चौखम्बा पब्लिशिंग, नई दिल्ली

Ref.No.
C.D.L.C.E., M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

प्रथम प्रश्न पत्र – साहित्यशास्त्र

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध काव्यशास्त्रीय विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध काव्यशास्त्रीय विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **काव्यालङ्कार – भामह (प्रथम परिच्छेद)**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **काव्यप्रकाश – मम्मट (पञ्चम तथा षष्ठ उल्लास)**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **काव्यप्रकाश – सप्तम उल्लास से रसदोष**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **काव्यप्रकाश – अष्टम उल्लास**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **काव्यप्रकाश – नवम उल्लास,**

दशम उल्लास के अधोलिखित अलङ्कारों के लक्षण तथा उदाहरण

उपमा (भेदरहित), अनन्वय, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, निदर्शना,अप्रस्तुतप्रशंसा, अतिशयोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, व्यतिरेक, स्वभावोक्ति,संसृष्टि, सङ्कर।

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1.काव्यालङ्कार – भामह ;
2. काव्यप्रकाश – मम्मट ;
3.भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी ,
4. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे

17/9/21 17/09/21

Assistant Registrar (Exe
C.D.L.C.E., M.C.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

द्वितीय प्रश्न पत्र – नाट्यशास्त्र

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नाट्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नाट्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध नाट्यशास्त्रीय विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी नाट्यशास्त्र मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी नाट्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध नाट्यशास्त्रीय विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **प्रमुख नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं चिन्तक**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **नाट्यशास्त्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) - भरतमुनि**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) - भरतमुनि**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **दशरूपक (प्रथम प्रकाश, सन्धिभेद छोडकर) - धनञ्जय**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **दशरूपक (द्वितीय प्रकाश) - धनञ्जय**
(नायक और नायिका के सामान्य भेद)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. नाट्यशास्त्र – भरतमुनि, सम्पादक – बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. नाट्यशास्त्र बृहत्कोश – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
4. भारतीय साहित्यशास्त्रकोश – डॉ. राजवंश सहांय 'हीरा', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
5. दशरूपक – धनञ्जय, सम्पादक – श्रीनिवास शास्त्री
6. दशरूपक - धनञ्जय, सम्पादक - डॉ.केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन,वाराणसी

Assistant Registrar (Exam.)
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

तृतीय प्रश्न पत्र – व्याकरण

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्याकरणशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्याकरणशास्त्र की सञ्ज्ञा, परिभाषा तथा कारक - इन विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र की सञ्ज्ञा, परिभाषा तथा कारक - इन विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **सञ्ज्ञा तथा परिभाषाप्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **कारकप्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी** (प्रथमा से तृतीया विभक्ति पर्यन्त)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **कारकप्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी** (चतुर्थी से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **समासप्रकरण - लघुसिद्धान्तकौमुदी**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **तद्धित प्रत्यय – साधारण प्रत्यय, अपत्याधिकार मत्वर्थीय तथा स्त्रीप्रत्यय - लघुसिद्धान्तकौमुदी**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. सिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजि दीक्षित
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज

Assistant Registrar (Exam)
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – विशेष कवि कालिदास

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के कविकुलगुरु कालिदास की कृतियों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के प्रतिनिधि महाकाव्य ,खण्डकाव्य तथा रूपकों की समीक्षा से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के कविकुलगुरु कालिदास की कृतियों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रतिनिधि महाकाव्य ,खण्डकाव्य तथा रूपकों की समीक्षा कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **रघुवंशम् (चतुर्दश सर्ग)**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **ऋतुसंहारम्**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **मालविकाग्निमित्रम्**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **विक्रमोर्वशीयम्**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 **कालिदास की सभी कृतियों पर आधारित**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~60~~ 80 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ 20 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1.कालिदास ग्रन्थावली - आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी 2.कालिदास - श्री वासुदेव विष्णु मिराशी

3.कालिदास - श्री चन्द्रबली पाण्डेय 4.कालिदास मीमांसा - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान

Assistant Registrar (Acad.)
C.D.L.C.E.,M.G.C.G.V.
Chitrakoot, Satna (M.P.)